फर्राटे भरने को तैयार गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस, अब सीएम सिटी से दूर नहीं लखनऊ और दिल्ली

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे से गोरखपुर को जोड़ने के लिए निर्माणाधीन गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे का काम लगभग पूरा हो चुका है. गोरखपुर के मंडलायुक्त ने काम के प्रगति की समीक्षा करने के बाद बताया कि किसी भी समय इसका शुभारंभ किया जा सकता है. इस एक्सप्रेस वे के शुरू से आजमगढ़ से गोरखपुर का सफर महज तीन घंटे का रह जाएगा.

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के ड्रीम प्रोजक्ट में से एक गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे का काम पूरा हो गया है. बहुत जल्द इसे आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा. इस एक्सप्रेस के शुरू होते ही गोरखपुर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से सीधा कनेक्ट हो जाएगा. इसके बाद लखनऊ का सफर तो आसान हो ही जाएगा लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे और फिर यमुना एक्सप्रेस के जरिए दिल्ली तक लोग फर्राटे भरते हुए पहुंच सकेंगे. जून के पहले सप्ताह में हुई समीक्षा तक इस एक्सप्रेसवे का 97 प्रतिशत काम पूरा हो चुका था.

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे गोरखपुर बाईपास एनएच- 27 ग्राम जैतपुर के पास से शुरू होकर आजमगढ़ में सालारपुर के पास पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से कनेक्ट हो रहा है. इस लिंक एक्सप्रेस की लंबाई करीब 91.352 किमी है. इसके निर्माण में कुल 5876.67 करोड़ रुपये की लागत आई है. इसमें भूमि अधिग्रहण पर व्यय शामिल है. इस एक्सप्रेस के शुरू होने से ना केवल गोरखपुर, बल्कि अम्बेडकरनगर और संतकबीरनगर के लोगों को भी सीधा फायदा होगा. वहीं आजमगढ़ और मऊ के लोग गोरखपुर से सीधा कनेक्ट हो जाएंगे.

मंडलायुक्त ने किया समीक्षा

इस एक्सप्रेस का निर्माण यूपी एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) ने बनाया है. यूपीडा की ऑफिशियल वेबसाइट पर कार्य प्रगति का ब्यौरा अपडेट किया गया है. इसमें बताया गया है कि मेन कैरिजवे में क्लियरिंग एंड ग्रबिंग का काम 100 फीसदी पूरा हो चुका है. इसी प्रकार मिट्टी भराई का काम भी हो चुका है. बता दें कि दो दिन पहले ही गोरखपुर के कमिश्नर अनिल ढींगरा ने जिले की बड़ी परियोजनाओं की समीक्षा की थी. इसमें उन्होंने लिंक एक्सप्रेस वे पर फोकस करते हुए शेष काम को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए थे.

साढ़े तीन घंटे में आजमगढ़ से गोरखपुर

जानकारी के मुताबिक अभी आजमगढ़ से गोरखपुर जाने में करीब 5 से 6 घंटे तक का समय लग जा रहा है. इस लिंक एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद इस सफर में महज तीन से साढ़े तीन घंटे लगेंगे. यह एक्सप्रेस वे पूरी तरह एक्सेस कंट्रोल होगा. इससे वाहनों में ईंधन खपत कम होगी और यात्रा का समय बचेगा. इसके अलावा संबंधित क्षेत्रों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के साथ ही कृषि, वाणिज्य, पर्यटन तथा उद्योगों की आय को बढ़ावा मिलेगा. इस एक्सप्रेसवे से लगते इलाकों में इंडस्ट्रियल कारीडोर बनाने की भी योजना है.